

# Section 4 – Rudra Kramam

# 15<u>गणपति ध्यानं</u>

| ओं गणानां त्वा<br>—              | ा<br>त्वा गणपतिं<br>— —                |
|----------------------------------|--|
| गणपति ॐ्हवामहे<br>—              | गणपतिमिति गण – पतिं ><br>- – – –       |
| हवामहे कविं                      | कविं कवीनां<br>— —                     |
| न न<br>कवीनामुपमश्रवस्तमं<br>– – | उपमश्रवस्तममित्युपमश्रवः –<br>— – –    |
|                                  | तमं ><br>—                             |
| ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां<br>— –     | ज्येष्ठराजमिति ज्येष्ठ – राजं ><br>— – |
| ब्रह्मणां ब्रह्मणः               | ब्रह्मणस्पते ><br>                     |
| पत आ                             | अा नः                                  |
| नर्शण्वत्र्<br>— —               | गृण्वन्नूतिभिः<br>— —                  |
| ऊतिभिस्सीद<br>-                  | ऊतिभिरित्यूति – भिः<br>– – –           |
| सीद सादनं                        | ।<br>सादनमिति सादनं<br>— —             |

# 16 श्री रुद्र क्रमः

# 16.1 श्री रुद्रक्रमः प्रथमो ऽनुवाकः

ओं नमो भगवते रुद्राय

| ओं, नमस्ते                         | ते रुद्र                         |
|------------------------------------|----------------------------------|
| रुद्र मन्यवे >                     | मन्यव उतो                        |
| <del></del><br>उतो ते >            | <u>उ</u> तो इत्युतो              |
| न इषवे<br>-                        | । ।<br>इषवे नमः<br>—             |
| नम् इति नमः<br>— —                 | -<br>नमस्ते                      |
| ते अस्तु                           | अस्तु धन्वने<br>— ।              |
| ते अस्तु<br>-                      | ।<br>बाहुभ्यामुत<br>             |
| बाहुभ्यामिति बाहु – भ्यां >        | बाहुभ्यामुत<br>                  |
| ते नमः                             | नम इति नमः<br>— —                |
| — ॥<br>या ते >                     | त इषुः<br>—                      |
| इषुरिश्वतमा<br>—                   | शिवतमा शिवं<br>— —               |
| शिवतमेति शिव – तमा >               | शिवं बभूव<br>— —                 |
| बभूव ते                            | ते धनुः<br>— । ॥<br>शिवा शख्या > |
| बभूव ते<br>- ।<br>धनुरिति धनुः<br> | शिवा शख्या >                     |
| ा<br>शख्या या<br>—                 | या तव                            |

| तव तया >                                      | तया नः                                  |
|---|---|
| नो रुद्र                                      | रुद्र मृडय                              |
| <u>– –                                   </u> | <u> </u>                                |
| ते रुद्र                                      | रुद्र शिवा                              |
| शिवा तनूः                                     | —— —<br>तनूरघोरा                        |
| — — ँ।<br>अघोरा ऽपापकाशिनी                    | — ।<br>अपापकाशिनीत्यपाप – काशिनी>       |
| <del>-</del><br>तया नः                        | ॥ — — — — — — — — — — — — — — — — — — — |
| तनुवा शन्तमया                                 | <del> </del>                            |
| <br>शन्तमयेति शं – तमया >                     | ।<br>गिरिशन्ताभि                        |
| गिरिशन्तेति गिरि-शन्त                         | ा—<br>अभिचाकशीहि                        |
| = -। = = =<br>चाकशीहीति चाकशीहि               | — ॥<br>यामिषुं >                        |
| न – –<br>इषुं गिरिशन्त                        | ॥<br>गिरिशन्त हस्ते >                   |
| गिरिशन्तेति गिरि – शन्त                       | ====।<br>हस्ते बिभर्.षि                 |
| === । ==<br>बिभर्.ष्यस्तवे                    | न ।<br>अस्तव इत्यस्तवे                  |
| शिवां गिरित्र                                 | गिरित्र तां                             |
| गिरित्रेति गिरि – त्र                         | <del>- ।</del><br>तां कुरु              |
| कुरु मा                                       | ।<br>मा हिं प्सीः                       |
| कुरु मा<br>=                                  | ा ।<br>पुरुषं जगत्<br>—                 |
| जगदिति जगत्<br>— —                            | शिवेन वचसा<br>— —                       |

| वचसा त्वा                | त्वा गिरिश                        |
|--------------------------|-----------------------------------|
| गिरिशाच्छ<br>—           | ।<br>अच्छावदामसि                  |
| वदामसीति वदामसि          | यथा नः                            |
| ा<br>नः सर्व >           | सर्वमित्                          |
| इज्जगत्                  | न<br>जगदयक्ष्मं<br>—              |
| अयक्ष्मण् सुमनाः >       | मुमना असत्<br><u>म</u> –          |
| सुमना इति सु – मनाः >    | ।<br>असदित्यसत्<br>—              |
| ।<br>अद्ध्यवोचत्         | अवोचदधिवका<br>—————               |
| अधिवक्ता प्रथमः<br>— — — | ।<br>अधिवक्तेत्यधि — वक्ता<br>— — |
| प्रथमो दैव्यः<br>        | दैव्यो भिषक्                      |
| भिषगिति भिषक्            | ।<br>अही৺श्च<br>—                 |
| च सर्वान्                | ॥ ।<br>सर्वान् जंभयन्न्<br>—      |
| जंभयन्थ् सर्वाः>         | ॥<br>सर्वाश्च                     |
| च यातुधान्यः             | यातुधान्य इति यातु – धान्यः       |
| असौ यः                   | यस्ताम्रः                         |
| ताम्रो अरुणः             | अरुण उत<br>————                   |
| उत बभुः                  | वभुः सुमङ्गलः<br>_                |
| सुमङ्गल इति सु-मङ्गलः    | ये च                              |

| 1                       | <u>-</u>  |
|-------------------------|---|
| चेमां                   | इमा <b>्</b> रुद्राः                                      |
| रुद्रा अभितः<br>— —     | अभितो दिक्षु<br>— —                                       |
| दिक्षु श्रिताः          | ।<br>श्रिताः सहस्रशः<br>—                                 |
| सहस्रशोऽव<br>———        | सहस्रश इति सहस्र – शः<br>— –                              |
| अवैषां                  | एषा ् हेडः<br>।   |
| हेड ईमहे                | ईमह इतीमहे<br>——  |
| असौ यः                  | ग्<br>योऽवसर्पति  |
| अवसर्पति नीलग्रीवः      | अवसर्पतीत्यव – सर्पति                                     |
| नीलग्रीवो विलोहितः      | <del> ।</del><br>नीलग्रीव इति नील – ग्रीवः                |
| विलोहित इति वि – लोहितः | ॥<br>उतैनं >  |
| एनं गोपाः               | गोपा अदृशन्न्<br>—  |
| गोपा इति गो-पाः         | ।<br>अदृशन्नदृशन्न्<br>—————————————————————————————————— |
| अदृशनुदहार्यः<br>—      | उदहार्य इत्युद–हार्यः<br>— –                              |
| ॥<br>उतैनं >            | ॥<br>एनं विश्वा >   |
| विश्वा भूतानि<br>       | भूतानि सः   |
| स दृष्टः                | ।<br>दृष्टो मृडयाति<br>—                                  |
| मृडयाति नः              | ।<br>न इति नः<br>–  |
| नमो अस्तु               | ।<br>अस्तु नीलग्रीवाय<br>— —                              |

| नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय  | नीलग्रीवायेति नील – ग्रीवाय          |
|-------------------------|--------------------------------------|
| सहस्राक्षाय मीढुषे >    | सहस्राक्षायेति सहस्र – अक्षाय<br>— – |
| मीढुष इति मीढुषे ><br>  | अथो ये                               |
| = ।<br>अथो इत्यथो >     | ।<br>ये अस्य                         |
| अस्य सत्वानः<br>— —     | मत्वानोऽहं<br>—                      |
| अहन्तेभ्यः<br>—         | ।<br>तेभ्योऽकरं                      |
| ।<br>अकरन्नमः<br>— —    | ।<br>नम इति नमः<br>– –               |
| प्रमुञ्च                | ।<br>मुञ्च धन्वनः<br>— —             |
| ।<br>धन्वनस्त्वं<br>—   | त्वमुभयोः ><br>                      |
| उभयोरालियोः<br>— —      | ा<br>आर्लियोर्ज्यां<br>—             |
| ज्यामितिज्यां<br>—      | ।<br>याश्च                           |
| च ते ><br>              | "<br>ते हस्ते ><br>-                 |
| हस्त इषवः<br>—          | । ॥<br>इषवः परा ><br>—               |
| परा ताः                 | ।<br>ता भगवः                         |
| भगवो वप<br>—— = —       | भगव इति भग – वः<br>                  |
| <u> </u>                | अवतत्य धनुः<br>— –                   |
| अवतत्येत्यव – तत्य<br>— | धनुस्त्वं<br><u>–</u>                |
| त्वण् सहस्राक्ष         | न<br>सहस्राक्ष शतेषुधे<br>—          |

| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |                            |
|---------------------------------------|----------------------------|
| सहस्राक्षेति सहस्र – अक्ष             | शतेषुध इति शत – इषुधे >    |
| निशीर्य शल्यानां >                    | निशीर्येति नि – शीर्य<br>– |
| ा<br>शल्यानां मुखा >                  | ।<br>मुखा शिवः<br>—        |
| शिवो नः<br>—                          | नः सुमनाः >                |
| सुमना भव                              | सुमना इति सु – मनाः >      |
| भवेति भव                              | विज्यं धनुः<br>—           |
| विज्यमिति वि – ज्यं >                 | धनुः कपर्दिनः<br>—         |
| कपर्दिनो विशल्यः<br>— –               | विशल्यो बाणवान्<br>—       |
| विशल्य इति वि – शल्यः                 | ।<br>बाणवा <i>र्</i> उत    |
| बाणवानिति बाण – वान्                  | <u>उत्तेत्यु</u> त         |
| अनेशन्नस्य                            | अस्येषवः<br>—              |
| इषवः आभुः<br>                         | आभुरस्य<br>                |
| अस्य निषङ्गिथिः                       | निषङ्गथिरिति निषङ्गथिः     |
| या ते >                               | ते हेतिः                   |
| हेतिमीं ढुष्टम                        | ग<br>मीढुष्टम हस्ते >      |
| मीढुष्टमेति मीढुः – तम<br>            | रस्ते बभूव<br>-            |
| बभूव ते                               | ते धनुः<br>—               |
| धनुरिति धनुः                          | तयाऽस्मान्                 |
| अस्मान्. विश्वतः<br>— —               | विश्वतस्त्वं               |

| त्वमयक्ष्मया >                   | अयक्ष्मया परि                       |
|----------------------------------|-------------------------------------|
| परिब्भुज                         | भुजेति भुज<br><u>-</u>              |
| नमस्ते                           | ते अस्तु<br>— —                     |
| ा<br>अस्त्वायुधाय<br>—           | ा ।<br>आयुधायानातताय<br>—           |
| अनातताय धृष्णवे >                | ा ॥<br>अनाततायेत्यना – तताय<br>— —— |
| ण्या । ।<br>धृष्णव इति धृष्णवे > | उभाभ्यामुत<br>— —                   |
| _                                | ते नमः<br>—                         |
| नमो बाहुभ्यां >                  | बाहुभ्यान्तव<br>                    |
| बाहुभ्यामिति बाहु – भ्यां >      | ।<br>तव धन्वने<br>—                 |
| धन्वन इति धन्वने                 | <del>T</del><br>परि ते              |
| ते धन्वनः                        | ।<br>धन्वनो हेतिः<br>—              |
| हेतिरस्मान्                      | अस्मान् वृणकु<br>—                  |
| वृणकु विश्वतः                    | विश्वत इति विश्वतः                  |
| अथो यः                           | अथो इत्यथो ><br>—                   |
| य इषुधिः                         | ।<br>इषुधिस्तव<br><u>- पु</u>       |
| =<br>इषुधिरितीषु - धिः           | तवारे                               |
| आरे अस्मत्                       | अस्मन्नि                            |
| निधेहि                           | धेहि तं<br>                         |
|                                  |                                     |

तमिति तं

16.2 श्री रुद्रक्रमः-द्वितीयो ऽनुवाकः

| 10.2 <u>AI (19,911) IA(II 9)</u>       |                             |
|--|-----------------------------|
| नमो हिरण्यबाहवे<br>—                   | हिरण्यबाहवे सेनान्ये >      |
| हिरण्यबाहव इति हिरण्य –                | सेनान्ये दिशां<br>          |
| बाहवे >                                |                             |
| सेनान्य इति सेना – न्ये >              | दिशाञ्च<br>—                |
| च पतये<br>—                            | पतये नमः                    |
| नमो नमः<br>—                           | नमो वृक्षेभ्यः              |
| वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः<br>— —          | हरिकेशेभ्यः पशूनां          |
| हरिकेशेभ्य इति हरि – केशेभ्यः          | पशूनां पतये<br>             |
| पतये नमः                               | नमो नमः<br>—                |
| नमः सस्पिञ्जराय<br>—                   | मस्पिञ्जराय त्विषीमते<br>—  |
| त्विषीमते पथीनां<br>—                  | त्विषीमत इति त्विषि – मते > |
| पथीनां पतये<br>– –                     | पतये नमः                    |
| नमो नमः<br>—                           | नमो बभ् <u>ल</u> शाय        |
| बक्लुशाय विव्याधिने ><br>— —           | विव्याधिने ऽन्नानां<br>— —  |
| विव्याधिन इति वि – व्याधिने ><br>– – – | अन्नानां पतये<br>—          |
| पतये नमः<br>—                          | नमो नमः<br>—                |

|                              | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·                             |
|------------------------------|---|
| नमो हरिकेशाय<br>—            | हरिकेशायोपवीतिने ><br>—   |
| हरिकेशायेति हरि – केशाय      | उपवीतिने पुष्टानां >  |
| उपवीतिन इत्युप – वीतिने >    | पुष्टानां पतये<br>— —   |
| पतये नमः                     | नमो नमः<br>—  |
| नमो भवस्य<br>—               | भवस्य हेत्यै<br>  |
| हेत्यै जगतां<br>—            | जगतां पतये<br>—   |
| पतये नमः                     | नमो नमः   |
| -<br>नमो रुद्राय             | रुद्रायातताविने >   |
| आतताविने क्षेत्राणां<br>———— | आतताविन इत्या – तताविने ><br>———————————————————————————————————— |
| भेत्राणां पतये<br>—          | पतये नमः  |
| नमो नमः                      | नमः सूताय<br>   |
| म्<br>सूतायाहन्त्याय<br>     | ा ।<br>अहन्त्याय वनानां<br>—                                      |
| वनानां पतये                  | पतये नमः  |
| नमो नमः<br>—                 | नमो रोहिताय<br>—  |
| रोहिताय स्थपतये<br>—         | ा ॥<br>स्थपतये वृक्षाणां >  |
| वृक्षाणां पतये<br>— —        | पतये नमः  |
| <br>नमो नमः<br>              | नमो मन्त्रिणे ><br>—  |

|   | *3'''                            |
|---|----------------------------------|
| मन्त्रिणे वाणिजाय<br>— —                      | वाणिजाय कक्षाणां<br>— — —        |
| नक्षाणां पतये<br>—                            | पतये नमः                         |
| नमो नमः<br>—                                  | नमो भुवन्तये >                   |
| भुवन्तये वारिवस्कृताय                         | वारिवस्कृतायौषधीनां<br>          |
| वारिवस्कृतायेति वारिवः – कृताय<br>—— –        | अोषधीनां पतये<br>—               |
| पतये नमः                                      | नमो नमः<br>—                     |
| नम उच्चैर्घोषाय<br>–                          | ्।<br>उच्चैर्घोषायाक्रन्दयते<br> |
| उच्चैर्घोषायेत्युच्चैः – घोषाय<br>– – – – – – | आक्रन्दयते पत्तीनां<br>—— —      |
| आक्रन्दयत इत्या – क्रन्दयते                   | पत्तीनां पतये<br>— —             |
| पतये नमः                                      | नमो नमः<br>—                     |
| नमः कृथ्स्नवीताय<br>—                         | कृथ्स्नवीताय धावते<br>— —— —     |
| कृथ्स्नवीतायेति कृथ्स्न – वीताय               | धावेते सत्वनां<br>—              |
| मत्वनां पतये<br>—                             | पतये नमः                         |
| नम इति नमः                                    |                                  |
| <u></u>                                       | I                                |

# 16.3 श्री रुद्रक्रमः – तृतीयो ऽनुवाकः

| ।                      | ।                               |
|------------------------|---------------------------------|
| नमः सहमानाय            | सहमानाय निव्याधिने >            |
| —                      | -                               |
| ।                      | ।                               |
| निव्याधिन आव्याधिनीनां | निव्याधिन इति नि – व्याधिने >   |
| — —                    | – – –                           |
| ा ।                    | । ॥ ।                           |
| आव्याधिनीनां पतये      | आव्याधिनीनामित्या – व्याधिनीनां |
| — —                    | – – –                           |

| नमो नमः<br>—                |
|-----------------------------|
| । ॥<br>ककुभाय निषङ्गिणे >   |
| निषङ्गिण इति नि – सङ्गिने > |
| पतये नमः                    |
| ।<br>नमो निषङ्गिणे >        |
| निषङ्गिण इति नि – सङ्गिने > |
| इषुधिमत इतीषुधि – मते >     |
| पतये नमः                    |
| -<br>नमो वञ्चते             |
| परिवञ्चते स्तायूनां         |
| ।<br>स्तायूनां पतये         |
| नमो नमः                     |
| निचेरवे परिचराय             |
| परिचरायारण्यानां            |
| ा<br>अरण्यानां पतये         |
| नमो नमः                     |
|                             |
|                             |

| सृकाविभ्य इति सृकावि – भ्यः                               | ।<br>जिघा एसद्भ्यो मुष्णतां              |
|---|--|
| जिघा एसद्भ्य इति जिघा एसत् – भ्य<br>- – :                 | ।<br>मुष्णतां पतये<br>— —                |
| । ।<br>पतये नमः<br>—                                      | नमो नमः<br>—                             |
| ्<br>नमोऽस्मिमद्भ्यः<br>                                  | असिमद्भ्यो नक्तं >                       |
| असिमद्भ्य इत्यसिमत् – भ्यः                                | ।<br>नक्तञ्चरद्भ्यः<br>—                 |
| ।<br>चरद्भ्यः प्रकृन्तानां >                              | ।<br>चरद्भ्य इति चरत् – भ्यः             |
| प्रकृन्तानां पतये<br>                                     | प्रकृन्तानामिति प्र – कृन्तानां >        |
| पतये नमः<br>—   | नमो नमः<br>                              |
| नम उष्णीषिणे >  | उष्णीषिणे गिरिचराय                       |
| गिरिचराय कुलुञ्चानां >                                    | गिरिचरायेति गिरि – चराय<br>———           |
| ुकुलुञ्चानां पतये<br>———————————————————————————————————— | पतये नमः                                 |
| नमो नमः<br>—  | ।<br>नम इषुमद्भ्यः<br>—                  |
| ।<br>इषुमद्भ्यो धन्वाविभ्यः<br>—                          | ।<br>इषुमद्भ्य इतीषुमत् – भ्यः<br>—      |
| ।<br>धन्वाविभ्यश्च<br>— —                                 | धन्वाविभ्य इति धन्वावि – भ्यः<br>– – – – |
| च वः<br>  | ा<br>वो नमः<br>—                         |
| नमो नमः<br>—  | ।<br>नम आतन्वानेभ्यः<br>–                |
| आतन्वानेभ्यः प्रतिद्धानेभ्यः                              | आतन्वानेभ्य इत्या – तन्वानेभ्यः<br>— – – |

| 1                                  |  |
|------------------------------------|--|
| प्रतिद्धानेभ्यश्च                  | प्रतिद्धानेभ्य इति प्रति – द्धानेभ्यः    |
| च वः<br>— —                        | वो नमः                                   |
| नमो नमः<br>—                       | । ।<br>नम आयच्छद्भ्यः<br>—               |
| ा<br>आयच्छद्भ्यो विसृजद्भ्यः<br>   | ।<br>आयच्छद्भ्य इत्यायच्छत् – भ्यः       |
| ।<br>विसृजद्भ्यश्च<br>——           | विसृजद्भ्य इति विसृजत् – भ्यः<br>– –     |
| च वः<br>                           | वो नमः                                   |
| नमो नमः<br>—                       | ।<br>नमोऽस्यद्भ्यः                       |
| ।<br>अस्यद्भ्यो विद्ध्यद्भ्यः<br>— | ।<br>अस्यद्भ्य इत्यस्यत् – भ्यः          |
| ।<br>विद्ध्यद्भ्यश्च               | विद्ध्यद्भ्य इति विद्ध्यत् – भ्यः        |
| च वः<br>                           | ा<br>वो नमः<br>—                         |
| नमो नमः<br>—                       | नम आसीनेभ्यः<br>—                        |
| असीनेभ्यः शयानेभ्यः<br>—           | ।<br>शयानेभ्यश्च                         |
| च वः<br>                           | ा<br>वो नमः<br>—                         |
| नमो नमः                            | । ।<br>नमः स्वपद्भ्यः<br>—               |
| म्वपद्भ्यो जाग्रद्भ्यः<br>— —      | स्वपद्भ्य इति स्वपत् – भ्यः              |
| ।<br>जाग्रद्भ्यश्च                 | ा ।<br>जाग्रद्भ्य इति जाग्रत् – भ्यः<br> |
| च वः<br>– –                        | ा<br>वो नमः<br>—                         |

| नमो नमः                            | ।<br>नमस्तिष्ठद्भ्यः<br>—                |
|------------------------------------|--|
| ।<br>तिष्ठद्भ्यो धावद्भ्यः         | ।<br>तिष्ठद्भ्य इति तिष्ठत् – भ्यः       |
| ।<br>धावद्भ्यश्च                   | ।<br>धावद्भ्य इति धावत् – भ्यः           |
| च वः<br>                           | ा<br>वो नमः<br>—                         |
| नमो नमः                            | । ।<br>नमः सभाभ्यः<br>—                  |
| । ।<br>सभाभ्यः सभापतिभ्यः<br>—     | ।<br>सभापतिभ्यश्च                        |
| मभापतिभ्य इति सभापति – भ्यः<br>— — | च वः<br>                                 |
| वो नमः                             | नमो नमः                                  |
| ग<br>नमो अश्वेभ्यः<br>—            | ।<br>अश्वेभ्योऽश्वपतिभ्यः<br>—           |
| ।<br>अश्वपतिभ्यश्च                 | । ।<br>अश्वपतिभ्य इत्यश्वपति – भ्यः<br>– |
| च वः<br>                           | वो नमः                                   |
| नम इति नमः<br>— —                  |  |

# 16.4 श्री रुद्रक्रमः – चतुर्थो ऽनुवाकः

| •                                 |  |
|-----------------------------------|--|
| नम आव्याधिनीभ्यः<br>—             | आव्याधिनीभ्यो विविद्ध्यन्तीभ्यः<br>— — |
| आव्याधिनीभ्य इत्या – व्याधिनीभ्यः | ।<br>विविद्ध्यन्तीभ्यश्च               |
| विविद्ध्यन्तीभ्य इति वि –         | _                                      |
| - i -<br>विद्ध्यन्तीभ्यः          | च वः                                   |
| वो नमः<br>—                       | — ।<br>नमो नमः<br>—                    |

| नम उगणाभ्यः<br>—   | उगणाभ्यस्तृ ्हतीभ्यः<br>                         |
|--|--|
| ा<br>तृ ्हतीभ्यश्च<br>———————————————————————————————————— | च वः<br>   |
| वो नमः<br>—  | <br>नमो नमः<br>-                                 |
| नमो गृथ्सेभ्यः<br>   | गृथ्सेभ्यो गृथ्सेपतिभ्यः<br>                     |
| गृथ्सपतिभ्यश्च<br>—  | गृथ्सपतिभ्य इति गृथ्सपति – भ्यः                  |
| च वः<br>   | वो नमः   |
| नमो नमः<br>—   | ग<br>नमो व्रातेभ्यः<br>—                         |
| ग्रातेभ्यो व्रातपतिभ्यः<br>—                               | न<br>व्रातपतिभ्यश्च                              |
| वातपतिभ्य इति वातपति – भ्यः<br>— —                         | च वः<br>   |
| वो नमः<br>—  | नमो नमः  |
| नमो गणेभ्यः<br>—   | गणेभ्यो गणपतिभ्यः<br>— —                         |
| गणपतिभ्यश्च<br>—   | गणपतिभ्य इति गणपति – भ्यः                        |
| च वः<br>   | ा<br>वो नमः<br>—                                 |
| नमो नमः<br>—   | नमो विरूपेभ्यः<br>—                              |
| विरूपेभ्यो विश्वरूपेभ्यः<br>—                              | विरूपेभ्य इति वि – रूपेभ्यः                      |
| विश्वरूपेभ्यश्च<br>—                                       | विश्वरूपेभ्य इति विश्व – रूपेभ्यः<br>– – – – – – |
| च व:<br>   | ा<br>वो नमः<br>—                                 |

| नमो नमः                         | नमो महद्भ्यः                            |
|---------------------------------|---|
| महद्भ्यः क्षुल्लकेभ्यः<br>— —   | महद्भ्य इति महत् – भ्यः<br>– – –        |
| धुल्लकेभ्यश्च<br>               | च व:<br>                                |
| वो नमः<br>—                     | नमो नमः<br>—                            |
| नमो रथिभ्यः<br>—                | रिधभ्यो ऽरधेभ्यः<br>— —                 |
| रथिभ्य इति रथि – भ्यः<br>– – –  | अरथेभ्यश्च<br>—                         |
| च व:<br>                        | न<br>वो नमः<br>—                        |
| <br>नमो नमः<br>                 | नमो रथेभ्यः<br>–                        |
| ग ।<br>रथेभ्यो रथपतिभ्यः<br>–   | ।<br>रथपतिभ्यश्च                        |
| रथपतिभ्य इति रथपति – भ्यः       | च वः<br>                                |
| वो नमः<br>—                     | नमो नमः<br>—                            |
| नमः सेनाभ्यः<br>—               | ॥ ।<br>सेनाभ्यः सेनानिभ्यः<br>—         |
| ।<br>सेनानिभ्यश्च<br>           | सेनानिभ्य इति सेनानि – भ्यः<br>–– –     |
| च वः<br>                        | वो नमः                                  |
| नमो नमः<br>—                    | नमः क्षतृभ्यः<br>—                      |
| क्षत्तृभ्यः सङ्ग्रहीतृभ्यः<br>— | क्षत्तृभ्यः इति क्षत्तृ – भ्यः<br>– – – |
| मङ्ग्रहीतृभ्यश्च<br>— — —       | सङ्ग्रहीतृभ्य इति सङ्ग्रहीतृ – भ्यः     |

| च व:<br>                         | वो नमः<br>—                                |
|----------------------------------|--|
| नमो नमः                          | नमस्तक्षभ्यः<br>—                          |
| तक्षभ्यो रथकारेभ्यः<br>—         | तक्षभ्य इति तक्ष – भ्यः<br>– – –           |
| रथकारेभ्यश्च<br>—— —             | रथकारेभ्य इति रथ – कारेभ्यः<br>–– – –      |
| च वः<br>— —                      | न<br>वो नमः<br>—                           |
| <br>नमो नमः<br>                  | नमः कुलालेभ्यः<br>—                        |
| नुलालेभ्यः कमरिभ्यः<br>—         | ा<br>कमरिभ्यश्च<br>—                       |
| च व:<br>                         | न<br>वो नमः<br>—                           |
| <br>नमो नमः<br>-                 | नमः पुञ्जिष्टेभ्यः<br>                     |
| पुञ्जिष्टेभ्यो निषादेभ्यः<br>— — | निषादेभ्यश्च<br>                           |
| च वः<br>                         | वो नमः<br>—                                |
| नमो नमः                          | नम इषुकृद्भ्यः<br>—                        |
| इषुकृद्भ्यो धन्वकृद्भ्यः         | इषुकृद्भ्य इतीषुकृत् – भ्यः                |
| ।<br>धन्वकृद्भ्यश्च<br>– –       | धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत् – भ्यः<br>– – – – |
| च व:<br>                         | ्वो नमः<br>—                               |
| नमो नमः<br>—                     | नमो मृगयुभ्यः<br>—                         |
| मृगयुभ्यः श्वनिभ्यः<br>—— —      | मृगयुभ्य इति मृगयु – भ्यः<br>— – –         |

| ।<br>श्वनिभ्यश्च<br>—    | श्वनिभ्य इति श्वनि – भ्यः<br>– – – – |
|--------------------------|--------------------------------------|
| च व:<br>                 | न<br>वो नमः<br>—                     |
| नमो नमः<br>—             | नमः श्रभ्यः<br>—                     |
| श्वभ्य रुश्वपतिभ्यः<br>— | श्वभ्यः इति श्व – भ्यः<br>– – –      |
| ।<br>श्रपतिभ्यश्च        | श्रपतिभ्य इति श्रपति – भ्यः<br>– –   |
| च व:<br>                 | न<br>वो नमः<br>—                     |
| नम इति नमः<br>— —        |                                      |

# 16.5 श्री रुद्रक्रमः पञ्चमो उनुवाकः

| <u> </u>                    | <del>) · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·</del> |
|-----------------------------|--|
| नमो भवाय                    | भवाय च<br>—  |
| च रुद्राय<br>— —            | ा<br>रुद्राय च                                     |
| च नमः                       | -<br>नम३शर्वाय                                     |
| न् ।<br>शर्वाय च            | -<br>च पशुपतये                                     |
| <br>पशुपतये च               | <br>  पशुपतय इति पशु _ पतये                        |
| <u></u><br>च नमः            | <br>नमो नीलग्रीवाय                                 |
| -<br>नीलग्रीवाय च           | नीलग्रीवायेति नील – ग्रीवाय                        |
| च शितिकण्ठाय                | न् – – – – – – – – – – – – – – – – – – –           |
| शितिकण्ठायेति शिति – कण्ठाय | च नमः  |
| न<br>नमः कपर्दिने ><br>-    | कपर्दिने च<br>—                                    |

|                                 | . 3  |
|---------------------------------|--|
| च व्युप्तकेशाय<br>—             | व्युप्तकेशाय च                             |
| व्युप्तकेशायेति व्युप्त – केशाय | च नमः<br>—                                 |
| नमः सहस्राक्षाय<br>             | महस्राक्षाय च<br>— –                       |
| सहस्राक्षायेति सहस्र – अक्षाय   | ा<br>च शतधन्वने<br>— —                     |
| ा<br>शतधन्वने च<br>—            | ा ।<br>शतधन्वन इति शत – धन्वने >           |
| ा<br>च नमः<br>—                 | नमो गिरिशाय<br>—                           |
| गिरिशाय च                       | ।<br>च शिपिविष्टाय<br>— ——                 |
| र्शिपिविष्टाय च<br>             | रिश्चिष्टायेति शिपि – विष्टाय<br>———       |
| च नमः<br>—                      | नमो मीढुष्टमाय<br>—                        |
| मीढुष्टमाय च<br>                | ग ।<br>मीढुष्टमायेति मीढुः – तमाय<br>— — — |
| न्<br>चेषुमते                   | इषुमते च                                   |
| इषुमत इतीषु - मते >             | ा<br>च नमः<br>—                            |
| ग ।<br>नमो ह्रस्वाय             | हस्वाय च                                   |
| च वामनाय<br>                    | ा<br>वामनाय च<br>——                        |
| <br>च नमः<br>                   | नमो बृहते<br>—                             |
| बृहते च                         | च वर्.षीयसे                                |
| वर्.षीयसे च                     | ा<br>च नमः<br>—                            |

|                                     | . 9  |
|-------------------------------------|--|
| नमो वृद्धाय                         | वृद्धाय च<br>—   |
| च सम् <sup>*</sup> वृद्ध्वने<br>— — | सम् <sup>*</sup> वृद्ध्वने च<br>—  |
| सम्वृद्ध्वन इति सं – वृद्ध्वने      | च<br>च नमः<br>—  |
| नमो अग्रियाय<br>—                   | अग्रियाय च   |
| च प्रथमाय<br>                       | प्रथमाय च<br>  |
| ्य<br>च नमः<br>—                    | नम आञ्चवे ><br>  |
| आशवे च                              | ।<br>चाजिराय<br>— —  |
| अजिराय च<br>— —                     | ा<br>च नमः<br>_  |
| नमः शीघ्रियाय                       | रीघ्रियाय च  |
| च शीभ्याय<br>—                      | ा<br>शीभ्याय च   |
| च नमः<br>—                          | नम ऊर्म्याय<br>—   |
| जम्याय च<br>—                       | चावस्वन्याय<br>———   |
| अवस्वन्याय च<br>———                 | ा । ।<br>अवस्वन्यायेत्यव – स्वन्याय<br>————  |
| च<br>च नमः<br>—                     | ।<br>नमः स्रोतस्याय  |
| म्रोतस्याय च<br>—                   | ा<br>च द्वीप्याय<br>—  |
| द्वीप्याय च                         | चेति च   |
|                                     | T. Control of the con |

# 16.6 श्री रुद्रक्रमः – षष्ठो ऽनुवाकः

| नमो ज्येष्ठाय | ज्येष्ठाय च |
|---------------|-------------|
| _             | _           |

| ·                              | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
|--------------------------------|---------------------------------------|
| च कनिष्ठाय                     | किनिष्ठाय च                           |
| — ——                           | ——                                    |
| च नमः<br>—                     | नमः पूर्वजाय                          |
| पूर्वजाय च                     | पूर्वजायेति पूर्व – जाय               |
| —                              | ——                                    |
| ।<br>चापरजाय<br>——             | अपरजाय च<br>—                         |
| अपरजायेत्यपर – जाय<br>——       | ा<br>च नमः<br>—                       |
| नमो मद्ध्यमाय                  | मद्ध्यमाय च                           |
| —                              | — —                                   |
| ा<br>चापगल्भाय<br>——           | अपगल्भाय च<br>——                      |
| अपगल्भायेत्यप – गल्भाय<br>—— – | च<br>च नमः<br>—                       |
| नमो जघन्याय                    | जघन्याय च                             |
| —                              | ——                                    |
| च बुद्ध्नियाय<br>—             | बुद्धनयाय च                           |
| च नमः                          | नमस्सोभ्याय                           |
| —                              | —                                     |
| सोभ्याय च                      | च प्रतिसर्याय                         |
| —                              |                                       |
| प्रतिसर्याय च                  | प्रतिसर्यायेति प्रति – सर्याय         |
|                                | –––                                   |
| च नमः                          | नमो याम्याय                           |
| —                              | —                                     |
| -                              | न क्षेम्याय                           |
| याम्याय च                      | —                                     |
| क्षेम्याय च                    | ा<br>च नमः<br>—                       |
| नम उर्वर्याय                   | उर्वर्याय च                           |
|                                | ——                                    |

|                                      | 1311                              |
|--------------------------------------|-----------------------------------|
| च खल्याय<br>—                        | खल्याय च                          |
| च नमः<br>-                           | नमः २लोक्याय                      |
| न्त्राव्याय च<br>इलोक्याय च          | ।<br>चावसान्याय<br>———            |
| अवसान्याय च<br>———                   | अवसान्यायेत्यव – सान्याय<br>———   |
| च नमः<br>—                           | नमो वन्याय<br>—                   |
| वन्याय च                             | च कक्ष्याय<br>—                   |
| कक्ष्याय च                           | ा<br>च नमः<br>—                   |
| नमः श्रवाय<br>—                      | श्रवाय च<br>—                     |
| च प्रतिश्रवाय<br>                    | प्रतिश्रवाय च<br>                 |
| प्रतिश्रवायेति प्रति – श्रवाय<br>––– | ा<br>च नमः<br>—                   |
| नम आशुषेणाय<br>—                     | आशुषेणाय च<br>—                   |
| आशुषेणायेत्याशु – सेनाय              | ।<br>चाशुरथाय<br>—                |
| आशुरथाय च<br>                        | आशुरथायेत्याशु – रथाय<br>— — — —— |
| च नमः<br>—                           | नमः शूराय<br>—                    |
| र्गूराय च                            | चावभिन्दते<br>—— —                |
| अवभिन्दते च<br>————                  | अवभिन्दत इत्यव – भिन्दते<br>————  |
| ा<br>च नमः<br>-                      | नमो वर्मिणे ><br>-                |
|                                      |                                   |

| ॥<br>च वरूथिने ><br>               |
|------------------------------------|
| च<br>च नमः<br>—                    |
| ।<br>बिल्मिने च<br>—               |
| न<br>कविचने च<br>—                 |
| ा ।<br>नमः श्रुताय                 |
| च श्रुतसेनाय<br>                   |
| श्रुतसेनायेति श्रुत – सेनाय<br>— – |
|                                    |
|                                    |

# 16.7 श्री रुद्रक्रमः – सप्तमो उनुवाकः

| - <del> </del>                | <del>- 5                                   </del> |
|-------------------------------|---|
| नमो दुन <u>्द</u> भ्याय       | <u>दुन्दु</u> भ्याय च                             |
| चाहनन्याय<br>——               | आहनन्याय च  |
| आहनन्यायेत्या – हनन्याय<br>—— | च नमः<br>—  |
| नमो धृष्णवे                   | धृष्णवे च   |
| च प्रमृशाय<br>                | प्रमृशाय च<br>——                                  |
| प्रमृशायेति प्र – मृशाय<br>–– | च नमः<br>—  |
| नमो <u>दू</u> ताय             | दूताय च   |
| न प्रहिताय<br>—               | प्रहिताय च  |

| प्रहितायेति प्र – हिताय     | च नमः<br>—                       |
|-----------------------------|----------------------------------|
| नमो निषङ्गिणे >             | निषङ्गिणे च                      |
| निषङ्गिण इति नि – सङ्गिने > | ा<br>चेषुधिमते ><br>— –          |
| इषुधिमते च                  | इषुधिमत इतीषुधि – मते ><br>— – – |
| च नमः<br>—                  | नम स्तीक्ष्णेषवे<br>—            |
| तीक्ष्णेषवे च<br>—          | तीक्ष्णेषव इति तीक्ष्ण – इषवे >  |
| चायुधिने ><br>              | ा<br>आयुधिने च<br>——             |
| च नमः<br>—                  | नमः स्वायुधाय<br>                |
| स्वायुधाय च<br>——           | स्वायुधायेति सु – आयुधाय         |
| च सुधन्वने<br>              | मुधन्वने च<br>सुधन्वने च         |
| सुधन्वन इति सु – धन्वने     | ा<br>च नमः<br>—                  |
| नमस्स्रुत्याय<br>—          | मुत्याय च                        |
| च पथ्याय<br>–               | पथ्याय च                         |
| च नमः<br>—                  | ा ।<br>नमः काट्याय<br>—          |
| —<br>काट्याय च<br>—         | च नीप्याय<br>— —                 |
| नीप्याय च<br>—              | ा<br>च नमः<br>—                  |
| नमः सूद्याय<br>–            | सूद्याय च                        |

|                                     | . 3                      |
|-------------------------------------|--------------------------|
| च सरस्याय<br>                       | ।<br>सरस्याय च<br>—      |
| च नमः<br>—                          | नमो नाद्याय              |
| ा<br>नाद्याय च<br>—                 | ।<br>च वैशन्ताय<br>— — — |
|                                     | ा<br>च नमः<br>—          |
| <br>नमः कूप्याय<br>-                | न<br>कूप्याय च           |
| ा<br>चावट्याय<br>——                 | अवट्याय च<br>—           |
| च नमः<br>—                          | <br>नमो वर्ष्याय<br>-    |
| वर्ष्याय च                          | चावर्ष्याय<br>——         |
| अवर्ष्याय च<br>—                    | ा<br>च नमः<br>—          |
| नमो मेघ्याय<br>—                    | मध्याय च<br>—            |
| च विद्युत्याय<br>— ——               | ।<br>विद्युत्याय च<br>—— |
| विद्युत्यायेति वि – द्युत्याय<br>—— | च<br>च नमः<br>—          |
| नम ईद्धियाय<br>—                    | इंद्धियाय च<br>—         |
| चातप्याय<br>—                       | आतप्याय च<br>—           |
| ा ॥ ।<br>आतप्यायेत्या – तप्याय<br>— | ा<br>च नमः<br>—          |
| नमो वात्याय<br>—                    | ा<br>वात्याय च           |
| ा<br>च रेष्मियाय<br>-               | रेष्मियाय च              |

| च नमः        | नमो वास्तव्याय            |
|--------------|---------------------------|
| -            | —                         |
| वास्तव्याय च | च वास्तुपाय               |
| — —          | – –                       |
| वास्तुपाय च  | वास्तुपायेति वास्तु – पाय |
|              | – –                       |
| चेति च       |                           |

# 16.8 श्री रुद्रक्रमः – अष्टमो ऽनुवाकः

| •                            | <del></del>              |
|------------------------------|--------------------------|
| नमः सोमाय<br>—               | सोमाय च                  |
| च रुद्राय                    | रुद्राय च                |
|                              | —                        |
|                              | । ।                      |
| च नमः                        | नमस्ताम्राय              |
| _                            | –                        |
| ताम्राय च<br>—               | ।<br>चारुणाय<br>——       |
| अरुणाय च<br>—                | ा<br>च नमः<br>—          |
| नमञ्जाङ्गाय                  | राङ्गाय च                |
| —                            | —                        |
| च पशुपतये<br>                | -<br>पशुपतये च<br>       |
| पशुपतय इति पशु – पतये<br>– – | च<br>च नमः<br>—          |
| नम उग्राय                    | उग्राय च                 |
| —                            | —                        |
| च भीमाय                      | भीमाय च                  |
| — —                          | —                        |
| च नमः                        | नमो अग्रेवधाय            |
| —                            | —                        |
| अग्रेवधाय च                  | अग्रेवधायेत्यग्रे – वधाय |
| ——                           | ———                      |
| च दूरेवधाय                   | दूरेवधाय च               |
| — —                          | ——                       |

| दूरेवधायेति दूरे – वधाय                                       | च नमः<br>—                     |
|---|--------------------------------|
| नमो हन्त्रे   | हन्त्रे च                      |
| च हनीयसे<br>-   | हनीयसे च                       |
| च नमः<br>—  | नमो वृक्षेभ्यः<br>—            |
| वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः  | हरिकेशेभ्यो नमः                |
| हरिकेशेभ्य इति हरि - केशेभ्यः                                 | नमस्ताराय<br>—                 |
| ा<br>ताराय नमः  | ा ॥<br>नमः शंभवे >             |
| रांभवे च<br>  | ा<br>शंभव इति शं – भवे >       |
| च मयोभवे >  | मयोभवे च                       |
| मयोभव इति मयः – भवे >   | ा<br>च नमः<br>—                |
| ा ।<br>नमञ्जूष्ट्राय  | ा<br>राङ्कराय च                |
| राङ्करायेति शं – कराय<br>———————————————————————————————————— | ा<br>च मयस्कराय<br>— — —       |
| मयस्कराय च<br>————  | मयस्करायेति मयः – कराय<br>———— |
| च नमः<br>—  | नमिश् <u>नि</u> वाय            |
| ा<br>शिवाय च<br>—   | ा<br>च शिवतराय<br>— —          |
| शिवतराय च<br>—  | ा ।<br>शिवतरायेति शिव – तराय   |
| च नमः<br>—  | नमस्तीर्थ्याय<br>—             |

| • | , <i>A</i> ,                            |
|---|---|
| तीत्थ्यीय च                             | च कूल्याय<br>–                          |
| कूल्याय च                               | च नमः<br>—                              |
| नमः पार्याय                             | पार्याय च                               |
| चावार्याय<br>                           | अवार्याय च<br>                          |
| <br>च नमः<br>                           | नमः प्रतरणाय<br>—                       |
| प्रतरणाय च<br>—                         | प्रतरणायेति प्र – तरणाय<br>– –          |
| <br>चोत्तरणाय<br>                       | ा<br>उत्तरणाय च<br>—                    |
| उत्तरणायेत्युत् – तरणाय<br>— —          | ा<br>च नमः<br>—                         |
| नम आतार्याय                             | आतार्याय च<br>——                        |
| ा ॥ ।<br>आतार्यायेत्या – तार्याय<br>––  | ा<br>चालाद्याय<br>— —                   |
| आलाद्याय च<br>— —                       | ा ॥ ।<br>आलाद्यायेत्या – लाद्याय<br>– – |
| च नमः<br>—                              | नम्ञाष्याय<br>—                         |
| ा<br>इाष्ट्याय च                        | च फेन्याय<br>–                          |
| फेन्याय च                               | ा<br>च नमः<br>—                         |
| नमः सिकत्याय<br>—                       | ा<br>सिकत्याय च<br>––                   |
| च प्रवाह्याय<br>— — —                   | प्रवाह्याय च<br>                        |
| प्रवाह्यायेति प्र – वाह्याय<br>––       | <br>चेति च                              |

# 16.9 श्रीरुद्रक्रमः – नवमो ऽनुवाकः

| रिण्याय च<br>—                  |
|---------------------------------|
| ।<br>पथ्याय च<br>— .            |
| ा<br>नमः<br>-                   |
| h ्शिलाय च<br>                  |
| ।<br> यणाय च                    |
| ।<br>मः कपर्दिने ><br>—         |
| ॥<br>पुलस्तये ><br>             |
| ।<br>  नमः<br> -                |
| ा<br>ष्ठ्याय च                  |
| गृह्याय<br>-                    |
| ा<br>नमः<br>-                   |
| ।<br>ल्प्याय च                  |
| ।<br>ह्याय च                    |
| । ।<br>मः काट्याय<br>—          |
| ।<br>गह्ररेष्ठाय<br>- ——        |
| हरेष्ठायेति गह्नरे – स्थाय<br>— |
|                                 |

|                 | <i>'3'''</i>                |
|-----------------|-----------------------------|
| च नमः<br>—      | नमो ह्रदय्याय               |
| हदय्याय च       | च निवेष्याय                 |
| —               |                             |
| निवेष्याय च     | निवेष्यायेति नि – वेष्याय   |
| ——              |                             |
| च नमः           | नमः पार्सव्याय              |
| —               | —                           |
| ग्रंथाय च<br>   | -<br>च रजस्याय<br>          |
| रजस्याय च       | च नमः                       |
|                 | —                           |
| नमञ्जाष्ट्रयाय  | र्                          |
| —               | शुष्क्रयाय च                |
| च हरित्याय      | हरित्याय च                  |
|                 |                             |
| च नमः           | नमो लोप्याय                 |
| —               | —                           |
| लोप्याय च       | चोलप्याय<br>——              |
| उलप्याय च<br>—— | च<br>च नमः<br>—             |
| नम ऊर्व्याय     | जर्वाय च                    |
| –               | —                           |
| च सूर्म्याय     | सूर्म्याय च                 |
| च नमः<br>—      | नमः पर्ण्याय                |
| पण्यीय च        | च पर्णशद्याय                |
| —               | — ———                       |
| पर्णशद्याय च    | पर्णशद्यायेति पर्ण – शद्याय |
|                 | –––                         |
| ा<br>च नमः<br>— | नमोऽपगुरमाणाय<br>           |

|  | · 3· · ·   |
|--|--|
| अपगुरमाणाय च<br>——                       | अपगुरमाणायेत्यप – गुरमाणाय<br>—— –                           |
| चाभिघ्नते<br>                            | अभिघ्नते च<br>   |
| अभिघ्नत इत्यभि – घ्नते<br>– – –          | -<br>च नमः<br>-  |
| नम आक्खिदते<br>—                         | अक्खिदते च<br>— —  |
| आक्खिदत इत्या – खिदते<br>— —             | च प्रक्खिदते   |
| प्रक्खिदते च<br>— —                      | प्रक्खिदत इति प्र – खिदते<br>— —                             |
| च नमः<br>—                               | नमो वः   |
| वः किरिकेभ्यः<br>– ––                    | किरिकेभ्यो देवानां ><br>———————————————————————————————————— |
| देवाना 💛 हृदयेभ्यः<br>— ——               | हृदयेभ्यो नमः  |
| नमो विक्षीणकेभ्यः<br>—                   | विक्षीणकेभ्यो नमः<br>— —— —                                  |
| विक्षीणकेभ्य इति वि – क्षीणकेभ्यः        | ।<br>नमो विचिन्वत्केभ्यः<br>—                                |
| विचिन्वत्केभ्यो नमः                      | विचिन्वत्केभ्य इति वि –                                      |
|  | चिन्वत्केभ्यः<br>  |
| नम आनिर्.हतेभ्यः<br>                     | आनिर्.हतेभ्यो नमः<br>  |
| आनिर्.हतेभ्य इत्यानिः – हतेभ्यः          | नम आमीवत्केभ्यः<br>—   |
| आमीवत्केभ्य इत्या – मीवत्केभ्यः<br>– — – |  |
|  |  |

# 16.10 श्रीरुद्रक्रमः - दशमो ऽनुवाकः

| द्रापे अन्धसः                  | ा<br>अन्धसस्पते                   |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| पते दरिद्रत्                   | दरिद्रन्नीललोहित                  |
| नीललोहितेति नील – लोहित<br>— — | ्<br>एषां पुरुषाणां<br>           |
| पुरुषाणामेषां<br>—             | एषां पञ्जूनां<br>                 |
| पशूनां मा                      | मा भेः                            |
| भेर्मा                         | माऽरः                             |
| अरोमो                          | मो एषां                           |
| मो इति मो                      | एषां किं                          |
| किञ्चन<br>_                    | च नाममत्<br>—                     |
| आममदित्या ममत्<br>——           | या ते >                           |
| ते रुद्र                       | रुद्र शिवा<br>—————               |
| शिवा तनूः                      | तनूश्शिवा                         |
| शिवा विश्वाहभेषजी<br>— —       | विश्वाहभेषजीति विश्वाह –<br>— — — |
|                                | भेषजी ><br>— -                    |
| शिवा रुद्रस्य                  | रुद्रस्य भेषजी<br>                |
| भेषजी तया ><br>—               | तया नः                            |
| नो मृड<br>— ——                 | मृड जीवसे ><br>                   |

| जीवस इति जीवसे >              | इमा <i>⊍्</i> रुद्राय<br>                    |
|-------------------------------|--|
| रुद्राय तवसे >                | तवसे कपर्दिने ><br>                          |
| कपर्दिने क्षयद्वीराय<br>—     | भ्रयद्वीराय प्र<br>— —                       |
| क्षयद्वीरायेति क्षयत् – वीराय | प्रभरामहे                                    |
| भरामहे मतिं<br>               | मतिमिति मतिं<br>– –                          |
| यथा नः                        | न <b>२</b> शं<br>–                           |
| ग<br>शमसत्                    | असद् द्विपदे ><br>-                          |
| हिपदे चतुष्पदे<br>— —         | द्विपद इति द्वि – पदे ><br>– –               |
| चतुष्पदे विश्वं >             | चतुष्पद इति चतुः – पदे >                     |
| विश्वं <u>पु</u> ष्टं         | पुष्टं ग्रामे >                              |
| ग्रामे अस्मिन्न्<br>—         | ।<br>अस्मिन्ननातुरं<br>–                     |
| अनातुरमित्यना – तुरं >        | मृडा नः<br>—                                 |
| नो रुद्र<br>                  | रुद्रोत                                      |
| ा<br>उत नः<br>—               | नो मयः<br>—                                  |
| ।<br>मयस्कृधि                 | कृधि क्षयद्वीराय<br>— — —                    |
| क्षयद्वीराय नमसा<br>— —       | क्षयद्वीरायेति क्षयत् – वीराय<br>– – – – – – |
| नमसा विधेम                    | विधेम ते >                                   |
| द्विपदे चतुष्पदे -            | द्विपद इति द्वि – पदे >                      |

|                             | 9                  |
|-----------------------------|--------------------|
| त इति ते                    | यच्छं              |
| गञ्च<br>राञ्च               | च योः<br>_         |
| ।<br>योश्च                  | —<br>च मनुः<br>—   |
| मनुरायजे<br>—               | आयजे पिता          |
| आयज इत्या – यजे<br>——       | पिता तत्           |
| तदञ्याम                     | अञ्चाम तव<br>— ——  |
| तव रुद्र                    | रुद्र प्रणीतौ      |
| प्रणीताविति प्र - नीतौ >    | मा नः              |
| गो महान्तं ><br>            | महान्तमुत<br>— —   |
| उत मा                       | मा नः              |
| नो अर्भकं<br>               | अर्भकं मा          |
| मा नः                       | न उक्षन्तं<br>–    |
| उक्षन्तमुत                  | उत मा              |
| मा नः                       | न उक्षितं<br>– – – |
| उक्षितमित्युक्षितं<br>— — — | <br>मा नः          |
| नो वधीः ><br>               | वधीः पितरं ><br>   |
| पितरं मा                    | मोत                |

| उत मातरं >     मातरं प्रियाः       प्रिया मा     मा नः       नस्तनुवः     तनुवो रुद्र       रुद्र रीरिषः     रीरिषः इति रीरिषः       मा नः     नस्तोके       न तनये मा     न आयुषि       मा नः     न आयुषि       मा नः     मा नः       नो गोषु     गोषु मा       मा नः     नो अश्वेषु       मा नः     नो अश्वेषु |                        |                            |
|--|------------------------|----------------------------|
| नस्तनुवः     तनुवो रुद्र       रुद्र गिरिषः     गिरिषः इति गिरिषः       मा नः     नस्तोके       तोके तनये     तनये मा       मा नः     न आयुषि       जोषु     मा नः       नो गोषु     गोषु       मा नः     नो अश्वेषु       मा नः     नो अश्वेषु  | ा<br>उत मातरं ><br>    | मातरं प्रियाः              |
| रुद्र रीरिष:     रीरिष: इति रीरिष:       मा न:     नस्तोके       तोके तनये     तनये मा       मा न:     न आयुषि       भा न:     गोषु मा       मा न:     नो अश्वेषु       मा न:     नो अश्वेषु   |                        | मा नः                      |
| — —       मा नः     — —       तोके तनये     — तनये मा       — —     — —       मा नः     — अयुषि       — —     — —       ओयुषि मा     — —       — —     — —       मो गोषु     — —       मा नः     — —       — —     — —   | ।<br>नस्तनुवः<br>— —   | _                          |
| मा नः       नस्तोके         तोके तनये       तनये मा         मा नः       न आयुषि         आयुषि मा       मा नः         नो गोषु       गोषु         मा नः       नो अश्वेषु         —       -   | रुद्र रीरिषः           | रीरिषः इति रीरिषः<br>      |
| - ।  मा नः   | मा नः                  |                            |
| मा नः  |                        |                            |
| मा नः नो अश्वेषु   | मा नः                  | न आयुषि<br>—               |
| मा नः नो अश्वेषु   | आयुषि मा<br>—          | मा नः                      |
|  | नो गोषु<br>—           | गो <u>ष</u> ु मा           |
| araber Affers  |                        | नो अश् <u>वेषु</u><br>—    |
| अश्ववु सारवः सारवः । सारव इति सारवः । ——   | अश्वेषु रीरिषः         | रीरिष इति रीरिषः<br>       |
| वीरान्मा मा नः   |                        | मा नः                      |
| नो रुद्र भामितः  | नो रुद्र<br>           |                            |
| — — ।<br>भामितो वधीः वधीर्. हविष्मन्तः<br>— — — —  |                        | वधीर्. हविष्मन्तः<br>— — — |
| हविष्मन्तो नमसा नमसा विधेम   | हविष्मन्तो नमसा<br>— — | नमसा विधेम                 |
| विधेम ते > त इति ते -  |                        | त इति ते<br>-              |
|  | ॥<br>आरात्ते ><br>—    | ते गोध्ने<br>              |

| 1  |                                 |
|--|---------------------------------|
| गोध्न उत                                   | गोध्न इति गो – ध्ने             |
| गाध्य उत<br>— — —<br>उत पूरुषध्ने<br>— — — | पूरुषघ्ने क्षयद्वीराय           |
| पूरुषघ्न इति पूरुष – घ्ने                  | क्षयद्वीराय सुम्नं<br>—         |
| क्षयद्वीरायेति क्षयत् – वीराय              | सुम्नमस्मे                      |
| अस्मे ते ><br>-                            | अस्मे इत्यस्मे                  |
| ते अस्तु                                   | अस्त्वित्यस्तु<br>—             |
| रक्षा च                                    | च नः<br>                        |
| नो अधि<br>—                                | अधि च                           |
| च देव<br>                                  | देव ब्रूहि                      |
| बू ह्यध<br>                                | अधा च                           |
| च नः<br>                                   | नः शर्म<br>—                    |
| शर्म यच्छ                                  | गच्छ द्विबर्.हाः >              |
| द्विबर्.हा इति द्वि – बर्.हाः >            | स्तुहि श्रुतं                   |
| भूतं गर्त्तसदं >                           | गर्तसदं <sup>*</sup> युवानं<br> |
| गर्तसदमिति गर्त – सदं ><br>–               | युवानं मृगं<br>—                |
| मृगन्न                                     | न भीमं<br>—                     |
| भीममुपहत्नुं<br>— —                        | उपहलुमुग्रं                     |
|  |                                 |

| T                                  |                               |
|------------------------------------|-------------------------------|
| उग्रमित्युग्रं                     | मृडा जरित्रे<br>              |
| जरित्रे रुद्र<br>——                | रुद्र स्तवानः<br>—            |
| स्तवानो अन्यं<br>—                 | अन्यन्ते ><br>-               |
| ते अस्मत्                          | अस्मन्नि                      |
| <br>नि वपन्तु                      | वपन्तु सेनाः >                |
| सेना इति सेनाः >                   | परि णः                        |
| नो रुद्रस्य<br>                    | मद्रस्य हेतिः<br>— —          |
| <br>हेति वृंणकु<br>-               | वृणकु परि<br>                 |
| परि त्वेषस्य                       | त्वेषस्य दुर्मतिः<br>—        |
|                                    | दुर्मतिरिति दुः – मतिः<br>—   |
| अघायोरित्यघ – योः<br>– –           | अव स्थिरा<br>—                |
| स्थिरा मधवद्भ्यः                   | मधवद्भ्य स्तनुष्व<br>–        |
| मघवद्भ्य इति मघवत् – भ्यः<br>– – – | तनुष्व मीढ्वः<br>— –          |
| मीढ्व स्तोकाय<br>—                 | तोकाय तनयाय<br>— —            |
| तनयाय मृडय                         | मृडयेति मृडय<br>——            |
| मीढुष्टम शिवतम<br>—                | मीढुष्टमेति मीढुः – तम<br>— — |
| श्वितम शिवः<br>—                   | शिवतमेति शिव – तम<br>– –      |

| शिवो नं:       नस्सुमनाः       नस्सुमनाः       ।         सुमना भव       सुमना इति सु – मनाः       >         भवेति भव       परमे वृक्षे |  |
|--|--|
|  |  |
| भवेति भव परमे वृक्षे   |  |
|  |  |
| वृक्ष आयुधं निधाय  |  |
| निधाय कृतिं > निधायेति नि – धाय<br>– –   |  |
| कृत्तिं वसानः वसान आ<br>—  |  |
| आ चर पनाकं<br>—  |  |
| पिनाकं बिभ्रत् बिभ्रदा   |  |
| आ गहि गहीति गहि  |  |
| विकिरिद् विलोहित विकिरिदेति वि – किरिद   |  |
| विलोहित नमः विलोहितेति वि – लोहित  |  |
| नमस्ते ते अस्तु  |  |
| अस्तु भगवः भगव इति भग – वः   |  |
| अस्तु भगवः     भगव इति भग – वः       — — ॥     ॥       यास्ते >     ते सहस्रं >  |  |
| ा ।<br>सहस्र थ् हे तयः हे तयो ऽन्यं<br>— — —   |  |
| अन्यमस्मत् अस्मन्नि  |  |
| नि वपन्तु वपन्तु ताः<br>— —  |  |

| ता इति ताः                   | सहस्राणि सहस्रधा<br>— —     |
|------------------------------|-----------------------------|
| सहस्रधा बाहुवोः<br>— –       | सहस्रधेति सहस्र – धा<br>— – |
| ।<br>बाहु वोस्तव<br><u>-</u> | तव हेतयः                    |
| हेतय इति हेतयः               | ।<br>तासामीशानः<br>—        |
| र्इशानो भगवः                 | ॥<br>भगवः पराचीना ><br>     |
| भगव इति भग — वः<br>———       | ॥<br>पराचीना मुखा ><br>     |
| ।<br>मुखा कृधि               | न्<br>कृधीति कृधि<br>_      |

# 16.11 श्री रुद्रक्रमः – एकादशो ऽनुवाकः

| ·                     |                                  |
|-----------------------|----------------------------------|
| सहस्राणि सहस्रशः<br>  | सहस्रशो ये                       |
| सहस्रश इति सहस्र – शः | ये रुद्राः                       |
| रुद्रा अधि            | अधि भूम्यां >                    |
| –                     | —                                |
| भूम्यामिति भूम्यां >  | ा<br>तेषां ् सहस्रयोजने<br>      |
| सहस्रयोजनेऽव          | सहस्रयोजन इति सहस्र – योजने      |
| —————                 | ————                             |
| अव धन्वानि            | ।                                |
| —                     | धन्वानि तन्मसि                   |
| तन्मसीति तन्मसि       | अस्मिन् महति                     |
| – –                   |                                  |
| महत्यर्णवे<br>— —     | ग्रा ।<br>अर्णवेऽन्तरिक्षे<br>—— |
| अन्तरिक्षे भवाः       | भवा अधि                          |
| — —                   | -                                |

| अधीत्यधि नीलग्रीवाः शितिकण्ठाः >                                   |     |
|--|-----|
|  |     |
| नीलग्रीवा इति नील – ग्रीवाः > शितिकण्ठाः शर्वाः<br>– – – – – – –   |     |
| शितिकण्ठा इति शिति – कण्ठाः > शर्वा अधः<br>–– –                    |     |
| अधः क्षमाचराः क्षमाचरा इति क्षमाचराः — — —                         |     |
| नीलग्रीवाः शितिकण्ठाः > नीलग्रीवा इति नील – ग्रीवाः ।<br>— — — — — | >   |
| शितिकण्ठा दिवं > शितिकण्ठा इति शिति – कण्ठा                        | Γ:> |
| विवर् रुद्राः  |     |
| उपश्रिता इत्युप – श्रिताः > ये वृक्षेषु                            |     |
| वृक्षेषु सस्पञ्जराः सस्पञ्जरा नीलग्रीवाः                           |     |
| नीलग्रीवा विलोहिताः नीलग्रीवा इति नील – ग्रीवाः                    | >   |
| विलोहिता इति वि -लोहिताः > ये भूतानां >                            |     |
| भूतानामधिपतयः अधिपतयो विशिखासः                                     |     |
| अधिपतय इत्यधि – पतयः विशिखासः कपर्दिनः                             |     |
| विशिखास इति वि – शिखासः कपर्दिन इति कपर्दिनः                       |     |
| ये अन्नेषु अन्नेषु विविद्ध्यन्ति                                   |     |
| विविद्ध्यन्ति पात्रेषु विविद्ध्यन्तीति वि – विद्ध्यन्ति – –        | Γ   |
| पात्रेषु पिबतः पिबतो जनान्<br>—                                    |     |

| जनानिति जनान्               | ये पथां                            |
|-----------------------------|------------------------------------|
| पथां पथिरक्षयः              | पथिरक्षय ऐलबृदाः                   |
| – –                         |                                    |
| पथिरक्षय इति पथि – रक्षयः   | ऐलबृदा यव्युधः                     |
| – –                         |                                    |
| यव्युध इति यव्युधः          | ये तीर्थानि                        |
| तीर्थानि प्रचरन्ति          | प्रचरन्ति सृकावन्तः                |
| – –                         | – –                                |
| प्रचरन्तीति प्र – चरन्ति    | सृकावन्तो निषङ्गिणः                |
| – –                         | —                                  |
| स्कावन्त इति सृका – वन्तः   | निषङ्गिण इति नि — सङ्गिनः<br>— — — |
| य एतावन्तः                  | एतावन्तश्च<br>—                    |
| च भूया <sup>७</sup> ्सः     | ।                                  |
| -                           | भूया <b>्</b> सश्च                 |
| च दिशः                      | दिशो रुद्राः                       |
| –                           | —                                  |
| रुद्रा वितस्थिरे<br>—       | वितस्थिर इति वि – तस्थिरे          |
| तेषा ् सहस्रयोजने           | सहस्रयोजनेऽव                       |
| —                           | ————                               |
| सहस्रयोजन इति सहस्र – योजने | अव धन्वानि                         |
| — – – –                     | —                                  |
| धन्वानि तन्मसि              | तन्मसीति तन्मसि<br>– –             |
| नमो रुद्रेभ्यः              | रुद्रेभ्यो ये<br>— —               |
| ये पृथिव्यां                | पृथिव्यां ँये                      |
| —                           | – –                                |
| ग ।                         | अन्तरिक्षे ये                      |
| येऽन्तरिक्षे                | — —                                |

| ये दिवि              | िद्वि येषां >                |
|----------------------|------------------------------|
| येषामन्नं >          | अन्नं <sup>*</sup> वातः<br>— |
| वातो वर्.षं          | वर्.षमिषवः<br>—              |
| इषवस्तेभ्यः          | तेभ्यो दश<br>—               |
| दश प्राचीः >         | प्राचीर्दश<br>—              |
| दश दक्षिणा<br>—      | दक्षिणा दश<br>— —            |
| दश प्रतीचीः ><br>-   | प्रतीचीर्दश<br>— —           |
| दशोदीचीः             | उदीचीर्दश                    |
| दशोद्ध्वाः           | उद्ध्वस्तिभ्यः<br>—          |
| न<br>तेभ्यो नमः<br>— | नमस्ते                       |
| ते नः                | नो मृडयन्तु<br>— —— —        |
| मृडयन्तु ते          | ते यं                        |
| यं द्विष्मः          | द्विष्मो यः                  |
| यश्च                 | च नः<br>                     |
| नो द्वेष्टि<br>—     | द्वेष्टि तं<br>—             |
| _<br>तं वः           | ा<br>वो जंभे<br>—            |
| जंभे दधामि           | दधामीति दधामि<br>            |

# 16.12 त्रयंबकं यजामहे

| त्रयंबकं ँयजामहे  | न्यंबकमिति त्रि – अंबकं ><br>– – – – –     |
|---|--|
| यजामहे सुगन्धिं   | सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनं<br>—— —            |
| सुगन्धिमिति सु – गन्धिं<br>———————————————————————————————————— | पुष्टिवर्द्धनमिति पुष्टि – वर्द्धनं<br>– – |
| उर्वारुकमिव<br>— —  | इव बन्धनात्<br>—                           |
| बन्धनान् मृत्योः  | मृत्योर्मुक्षीय<br>—                       |
| मुक्षीय मा  | माऽमृतात् >                                |
| अमृतातित्यमृतात् ><br>— — —                                     | यो रुद्रः                                  |
| रुद्रो अग्नौ<br>— —   | अग्नौ यः                                   |
| यो अफ्सु  | अफ्सु यः                                   |
| अफ्स्वत्यप् – सु<br>–   | य ओषधीषु                                   |
| अोषधी <u>ष</u> यः   | यो रुद्रः                                  |
| म्ह्रो विश्वा ><br> -   | विश्वा भुवना<br>—                          |
| भुवना ऽऽविवेश<br>—  | आविवेश तस्मै ><br>                         |
| आविवेशेत्या – विवेश<br>––                                       | तस्मै रुद्राय                              |
| रुद्राय नमः<br>— —  | नमो अस्तु                                  |
| ।<br>अस्त्वित्यस्तु<br>—  |  |